B I (Three Year G)New

2007

HINDI (General)

M.I.L. (Compulsory)

(New Syllabus)

Time : Two Hours   Full Marks : 50

The figures in the margin indicate full marks.

Answer *all* the questions.

1. "'भोलाराम का जीव' में परसाई धर्म के माध्यम से भारतीय सरकारी तंत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार पर प्रहार करते हैं" – इस कथन की तर्कपूर्ण समीक्षा कीजिए। 10

अथवा

"'सती' कहानी जड़ मध्यवर्गीय विश्वास पर पैना प्रहार करती है" – इस उक्ति पर तर्क-संगत विचार कीजिए।

2. निम्नलिखित में से किसी **एक** पर निबंध लिखिए। 10

(क) समाचार-पत्र का महत्व।

(ख) रोजगार के बदलते स्वरूप।

(ग) उच्चशिक्षा की प्रासंगिकता।

(घ) आरक्षण और विकास।

P.T.O.

3. अपनी किसी रोचक यात्रा का वर्णन करते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए। 10

अथवा

अपने नगर के रेलकर्मचारियों के दुर्व्यवहार पर संबंधित अधिकारी को पत्र लिखिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** का हिन्दी अनुवाद करें। 5

Terrorism, Emergency, Notification, Engineer, Hospitality, Tourism, Corporate.

5. निम्नलिखित में से **दो** प्रश्नों के उत्तर दें : 2×5=10

(क) किन्हीं **पाँच** के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखे :

विष, प्रभाकर, नीर, वृक्ष, कपड़ा, नभ, समय, बच्चा।

(ख) किन्हीं **पाँच** के विलोम-शब्द लिखे :

उतार, सत्य, अर्ध, अधिक, अनंत, प्रकाश, दुष्ट, सबल।

(ग) किन्हीं **पाँच** का संधि-विच्छेद कीजिए :

विद्यालय, सदैव, निश्चय, उज्ज्वल, संन्यास, जीवनोन्मुख, अत्याचार, युधिष्ठिर।

(घ) किन्हीं **पाँच** का समास निर्धारण कीजिए :

ऋणमुक्त, मुखचंद्र, पंचवटी, असंभव, महात्मा, माता-पिता, आजन्म, हाथोंहाथ।

6. निम्नलिखित में से किसी **एक** अवतरण का उचित शीर्षक देते हुए संक्षेपण कीजिए। 5

आज मनुष्य जाति एक ऐसे चौराहे पर खड़ी है जहाँ से वह चाहे तो उस मार्ग को चुन सकती है जो विज्ञान और अध्यात्म के समन्वय से बननेवाली दुनिया की ओर ले जाता है और चाहे तो वह ऐसे रास्ते पर जा सकती है जहाँ संपूर्ण मानव अपने से ही टकरा कर चकनाचूर हो जाएगा। हमें कौन सा रास्ता चुनना है, यह सोचने में हम जितनी देर लगाएँगे उतना ही संकट बढ़ता जाएगा। यह निश्चित है कि यदि मनुष्य अपने को परमाणु अस्त्रों के भँवर में फँसने से बचा सका, तो आज उसने अपने प्रयत्नों से ऐसी वैज्ञानिक उपलब्धियाँ प्राप्त करली है जिनके कारण वह शीघ्र ही विराट विश्व का नागरिक बन सकता है।

अथवा

धर्म को लोगों ने धोखे की दुकान बना रखा है। वे उसकी आड़ में स्वार्थ सिद्ध करते हैं। बात यह है कि लोग धर्म को छोड़ कर संप्रदाय की जाल में फँस रहे हैं। संप्रदाय बाह्य कृत्यों पर जोर देते हैं। वे चिह्नों को अपनाकर धर्म के सार-तत्व को मसल देते है। धर्म मनुष्य को अंतर्मुखी बनाता है, उसके हृदय के किवाड़ों को खोलता है; उसकी आत्मा को विशाल, मन को उदार तथा चरित्र को उन्नत बनाता है। संप्रदाय संकीर्णता सिखाते हैं; जात-पाँत, रूप-रंग तथा ऊँच-नीच के भेदभावों से ऊपर नहीं उठने देते।

B I (Three Year G)New

2007

HINDI (General)

M.I.L. (Compulsory)

(New Syllabus)

Time : Two Hours Full Marks : 50

The figures in the margin indicate full marks.

Answer *all* the questions.

1. " 'भोलाराम का जीव' में परसाई धर्म के माध्यम से भारतीय सरकारी तंत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार पर प्रहार करते हैं" — इस कथन की तर्कपूर्ण समीक्षा कीजिए। 10

अथवा

" 'सती' कहानी जड़ मध्यवर्गीय विश्वास पर पैना प्रहार करती है" — इस उक्ति पर तर्क-संगत विचार कीजिए।

2. निम्नलिखित में से किसी **एक** पर निबंध लिखिए। 10

(क) समाचार-पत्र का महत्व।

(ख) रोजगार के बदलते स्वरूप।

(ग) उच्चशिक्षा की प्रासंगिकता।

(घ) आरक्षण और विकास।

P.T.O.

3. अपनी किसी रोचक यात्रा का वर्णन करते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए। 10

अथवा

अपने नगर के रेलकर्मचारियों के दुर्व्यवहार पर संबंधित अधिकारी को पत्र लिखिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** का हिन्दी अनुवाद करें। 5

Terrorism, Emergency, Notification, Engineer, Hospitality, Tourism, Corporate.

5. निम्नलिखित में से **दो** प्रश्नों के उत्तर दें : 2×5=10

(क) किन्हीं **पाँच** के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखे :

विष, प्रभाकर, नीर, वृक्ष, कपड़ा, नभ, समय, बच्चा।

(ख) किन्हीं **पाँच** के विलोम-शब्द लिखे :

उतार, सत्य, अर्ध, अधिक, अनंत, प्रकाश, दुष्ट, सबल।

(ग) किन्हीं **पाँच** का संधि-विच्छेद कीजिए :

विद्यालय, सदैव, निश्चय, उज्ज्वल, संन्यास, जीवनोन्मुख, अत्याचार, युधिष्ठिर।

(घ) किन्हीं **पाँच** का समास निर्धारण कीजिए :

ऋणमुक्त, मुखचंद्र, पंचवटी, असंभव, महात्मा, माता-पिता, आजन्म, हाथोंहाथ।

6. निम्नलिखित में से किसी **एक** अवतरण का उचित शीर्षक देते हुए संक्षेपण कीजिए। 5

आज मनुष्य जाति एक ऐसे चौराहे पर खड़ी है जहाँ से वह चाहे तो उस मार्ग को चुन सकती है जो विज्ञान और अध्यात्म के समन्वय से बननेवाली दुनिया की ओर ले जाता है और चाहे तो वह ऐसे रास्ते पर जा सकती है जहाँ संपूर्ण मानव अपने से ही टकरा कर चकनाचूर हो जाएगा। हमें कौन सा रास्ता चुनना है, यह सोचने में हम जितनी देर लगाएँगे उतना ही संकट बढ़ता जाएगा। यह निश्चित है कि यदि मनुष्य अपने को परमाणु अस्त्रों के भँवर मे फँसने से बचा सका, तो आज उसने अपने प्रयत्नो से ऐसी वैज्ञानिक उपलब्धियाँ प्राप्त करली हैं जिनके कारण वह शीघ्र ही विराट विश्व का नागरिक बन सकता है।

अथवा

धर्म को लोगों ने धोखे की दुकान बना रखा है। वे उसकी आड़ में स्वार्थ सिद्ध करते हैं। बात यह है कि लोग धर्म को छोड़ कर संप्रदाय की जाल में फँस रहे हैं। संप्रदाय बाह्य कृत्यों पर जोर देते हैं। वे चिह्नों को अपनाकर धर्म के सार-तत्त्व को मसल देते हैं। धर्म मनुष्य को अंतर्मुखी बनाता है, उसके हृदय के किवाड़ों को खोलता है; उसकी आत्मा को विशाल, मन को उदार तथा चरित्र को उन्नत बनाता है। संप्रदाय संकीर्णता सिखाते हैं; जात-पाँत, रूप-रंग तथा ऊँच-नीच के भेदभावों से ऊपर नहीं उठने देते।

B I (Three Year G)
Under 1+1+1 system

2007

HINDI (General)

(Compulsory)

(Revised New Syllabus)

Time : Two Hours | Full Marks : 50

The figures in the margin indicate full marks.

1. 'शरणदाता' कहानी के मूलभाव को अपने शब्दों में लिखिए। 10

अथवा

'ठेस' कहानी में ठेस किसे लगती है और कैसे ? इस कहानी में लेखक द्वारा व्यक्त उद्देश्य को स्पष्ट कीजिए।

2. निम्नलिखित में से किसी एक पर अधिकतम 600 शब्दो में एक निबंध लिखिए : 10

(क) विज्ञान और पर्यावरण।

(ख) साहित्य और समाज।

(ग) आपकी दृष्टि में आरक्षण।

(घ) आतंकवाद की समस्या तथा उसका समाधान।

P.T.O.

3. अपने क्षेत्र में मलेरिया के बढ़ते प्रकोप की जानकारी देते हुए स्वास्थ्य अधिकारी को एक पत्र लिखिए। 10

अथवा

समाचार-पत्रों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए अपने मित्र को एक पत्र लिखिए।

4. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच का हिन्दी रूप बतलाइये : 1×5=5

Export, Republic, Arrear, Trade Union, File, Quality, Council, Document.

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2×5=10

(i) किन्हीं **पाँच** का विलोम रूप बतलाइये :
न्याय, ज्येष्ठ, नैसर्गिक, पाताल, अपकार, कृतज्ञ, जय।

(ii) किन्हीं **पाँच** के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखें :
गंगा, गणेश, गज, गर्व, यज्ञ, प्रेम, कन्या, पुरुष।

(iii) किन्हीं **पाँच** का संधि-विच्छेद करें :
स्वागत, उन्मत्त, संन्यास, दुष्ट, ब्रजेश्वर, नमस्ते, वागीश, अमिताभ।

(iv) किन्हीं **पाँच** का समास-विग्रह कीजिए और उनके रूप बताइए :
पदारूढ़, गजराज, भरपेट, षडानन, त्रिभुज अभाव, निर्धन, राजपुत्र।

(ग) निम्नलिखित अवतरण का संक्षेपण करते हुए उसका उपयुक्त शीर्षक दें : 5

मेरा यह मतलब कदापि नहीं कि विदेशी भाषाएँ सीखनी ही न चाहिए। नहीं, आवश्यकता, अनुकूलता, अवसर और अवकाश होने पर हमें एक नहीं अनेक भाषाएँ सीख कर ज्ञानार्जन करना चाहिए। द्वेष किसी भाषा से न करना चाहिए। ज्ञान कहीं भी मिलता हो उसे ग्रहण कर लेना चाहिए। परंतु, अपनी भाषा और उसी के साहित्य को प्रधानता देनी चाहिए क्योंकि अपना, अपने देश का, अपनी जाति का उपकार और कल्याण अपनी ही भाषा के साहित्य की उन्नति से हो सकता है।

अथवा

कविता का जन्म कवि के सहज मनोवेगों से होता है फलत: कविता भावों को प्रभावित करती है न कि विवेक को, हृदय को प्रभावित करती है न कि बुद्धिको। जीवन का जो चित्र काव्य में प्रस्तुत किया जाता है, वह मनोभावों को अभिभूत करता है और विवेक का परित्याग। चूंकि मनोभाव, काव्यात्मक अन्त: प्रेरणा के क्षण में उच्छलित मनोवेग होते हैं इसलिए वे मनुष्य का सही दिशानिर्देशन नहीं कर सकते जैसा कि विवेक द्वारा संभव है।